Title: Requested the Government to announce special package for the drought-affected villages of Bihar and to waive off the loans given to the farmers of Bihar.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार के 24 जिले सुखाड़ और 12 जिले बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। 1964 और 1968 के बाद इतना भयंकर हादसा बाढ़ और सुखाड़ का पहली बार हुआ। 1968 में पांच हजार लोग मौत के शिकार हुए। यह बहुत विदारक स्थिति है। वहां बहुत कम मात्रा में वार्ा हुई है। मात्र 24 जिलों में 20 परसैंट किसानों ने रोपनी की। स्थिति भयावह और भयंकर है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः पप्पू जी, इस विाय पर 193 के अधीन चर्चा हो चुकी है।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : उपाध्यक्ष महोदय, यह सुखाड़ का मामला है और नया मामला आया है। लिफ्ट इरिगेशन का क्या मतलब है? सम्पूर्ण बिहार में कहीं भी बोरिंग राज्य सरकार की तरफ से नहीं हुई है। वह किसी गांव या जिले में नहीं हुई है। बिजली का स्थाई पूर्ति बिहार की राजधानी पटना तक में नहीं किया गया। ऐसे में गांवों की क्या हालत होगी, आप अन्दाजा लगा सकते हैं। बिहार के किसी गांव, गली या घर में बिजली की व्यवस्था नहीं है। छोटी-छोटी नहरें बंद हो गई हैं। वहां लोगों ने घर बना लिए हैं। बड़ी नहरों में पानी नहीं जा रहा है।

उपाध्यक्ष महोदयः भारत सरकार इसमें क्या करे?

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : एक बार प्रमोद महाजन जी से पहले ही कह चुके हैं कि बिहार को विशेा राज्य का दर्जा देकर विशेा सहायता देने की मांग रघुवंश बाबू. देवेन्द्र जी और मैने की थी। मेरा भारत सरकार से आग्रह है कि वह बिहार के लिए विशेा पैकेज की घोाणा करे। बिहार में बार-बार बाढ़ और सुखाड़ की जो स्थिति बनती है, उसका परमानैंट हल खोजा जाए। केन्द्र सरकार को पशु चारा. दवा, अनाज इत्यादि देने की व्यवस्था करनी चाहिए और उसमें इसकी भी हिस्सेदारी है। मैं चाहता हूं कि बिहार को ऐसे समय विशेा राज्य का दर्जा मिले। केन्द्र सरकार की तरफ से बिहार सरकार को जो ऋण दिया जाता है, वहां उसका सबसे ज्यादा दुरुपयोग होता है। उसे रोकने के लिए कोई व्यवस्था की जाए और वहां के किसानों के ऋण माफ किए जाएं। â€¦(व्यवधान) जो गांव सुखाड़ एवं बाढ की चपेट में हैं, उन्हें विशेा पैकेज दिया जाए। यह मेरा व्यक्तिगत निवेदन है। â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः आपको जो कहना था, कह दिया। अब आप बैठ जाएं।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : ऊर्जा मंत्री जी यहां बैठे हैं। वह बिहार के लिए बिजली की व्यवस्था करें ताकि किसान बच सकें। â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः आपको कितनी बार बैठने के लिए कहा जाएगा?

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : आप बिहार को ऐसे समय में बचा लीजिए।

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Sir, 90 per cent of the people of Bihar do not have the current. It is a very serious matter.â€¦ (*Interruptions*)